मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 53 ■ रविवार, 4 मई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

संदीप के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं दीपिका

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

■ हत्या या आत्महत्या?
■ पुलिस कर रही है जांच
■ परिजनों ने की न्याय की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर में शुक्रवार सुबह एक 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान सौरव गेसमुंद्रे (22) के रूप में हुई है, जो उल्हासनगर के प्रेम टेकड़ी इलाके में अपने परिवार के साथ रहता था। मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर कैंप क्रमांक 5 के प्रेम नगर टेकड़ी सेक्शन में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। परिजनों को संदेह है कि उसकी हत्या की गई है. पुलिस हत्या या आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। शुक्रवार को यहां निवासियों ने पानी की टंकी के पास जंगल में एक पेड़ से एक शव लटका हुआ पाया। मृतक युवक का नाम सौरव गेसमुंद्रे है। हिल लाइन पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल भेज दिया है। मृतक के परिजन मांग कर रहे हैं कि पुलिस पूरी जांच करे और हमारे बेटे को न्याय दिलाए.

महिला ने 3 बच्चियों के साथ की आत्महत्या

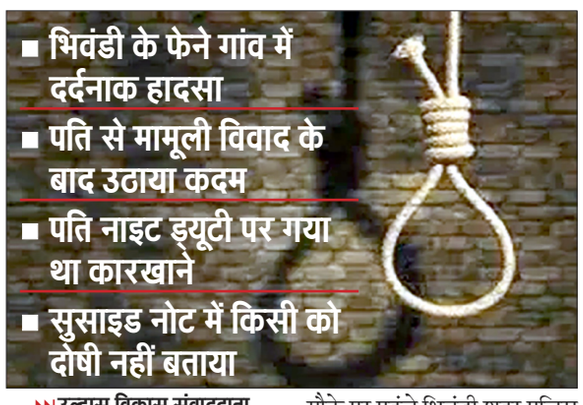

■ भिवंडी के फेने गांव में दर्दनाक हादसा
■ पति से मामूली विवाद के बाद उठाया कदम
■ पति नाइट ड्यूटी पर गया था कारखाने
■ सुसाइड नोट में किसी को दोषी नहीं बताया

पुलिस टीम जांच में जुटी

पुलिस कयास लगा रही है कि, पुनीता ने पहले तीनों लड़कियों का गला घोंटा होगा तत्पश्चात आखिरी में खुद को लोहे की रॉड में लटककर आत्महत्या की होगी. पुलिस को पुनीता के पास से आत्महत्या पूर्व लिखा गया पत्र भी मिला जिसमें पुनीता ने आत्महत्या के लिए किसी को भी दोषी नहीं बताया है. पुलिस ने सभी शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम की खातिर आईजीएम अस्पताल भेज दिया है .भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन सहायक पुलिस निरीक्षक कृष्णाराव खरारे ने कहा कि, मृतका पुनीता का आत्महत्या के पूर्व लिखा गया खत मिला है .मृतका पुनीता द्वारा आत्महत्या के पूर्व लिखित पत्र की जांच की जाएगी .पुलिस आत्महत्या के प्रत्येक पहलू पर गंभीरता से गौर कर रही है .पुलिस सच्चाई का पता जल्द करेगी .

लालजी बनवारीलाल भारती

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर फेणे गाव में महिला द्वारा अपनी कोख से जन्म दी गईं 3 बच्चियों की हत्या कर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की हृदय विदारक घटना सामने आई है.

मृतक महिला ने आत्महत्या के पूर्व लिखी चिट्ठी में घटना के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया है.घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे भिवंडी शहर पुलिस के अधिकारियों ने चारों शव को पोस्टमार्टम की खातिर आईजीएम अस्पताल भेज कर विवेचना कर रही है. मृतका पुनीता द्वारा खुद सहित अपनी बच्चियों की आत्महत्या का मामला किसी की समझ में नहीं आ रहा है. क्षेत्रवासियों का कहना है कि, मृतका ने अमानवीय हृदय विदारक घटना को क्यों अंजाम दिया इसकी विस्तृत तहकीकात होना बेहद जरूरी है. घटना से समूचे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है.

मिली जानकारी के अनुसार, फेना गांव स्थित तिवारी किराना स्टोर के सामने पांडु सेठ की चाल में पावरलूम मजदूर यूपी निवासी लालजी बनवारीलाल भारती अपनी पत्नी पुनिता (32) व पुत्री नंदिनी (12), नेहा (7) व अनु(4) के साथ रहता था.घटना के अनुसार, लालजी भारती रात्रि ड्यूटी में पावरलूम कारखाने में ड्यूटी करने गया था.सुबह जब वह ड्यूटी से घर आया तो खोली का बंद दरवाजा खटखटाने पर नहीं खुला तो पड़ोसियों की मदद से बंद दरवाजा खोला गया तो अंदर का दिल दहलाने वाला दृश्य देखकर लोग सन्न रह गए.कमरे में लोहे के रॉड से पत्नी पुनीता लटकी मिली और तीनों बच्चियां नंदिनी (12),नेहा (7) व अनु (4) आदि मृत अवस्था में कमरे में पड़ी हुई मिली.पुनीता ने ऐसा क्यों किया मेरी समझ के बाहर है.सब कुछ ठीक छोड़कर मैं रात्रिकालीन ड्यूटी पर गया था.सुबह घर आने पर सारा परिवार खत्म पाकर कुछ समझ में नहीं आ रहा है. परिवार खत्म तो मैं भी अब जीकर क्या ही करूंगा. मजदूर पति लालजी भारती का सदमे से रोकर बुरा हाल हुआ है.

KDMC सीमा में 8 फर्जी स्कूल

कल्याण. कल्याण-डोंबवली मनपा सीमा के भीतर आठ अनधिकृत प्राथमिक स्कूलों पाए गए हैं. मनपा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इन स्कूलों में दाखिला न दिलाएं। संबंधित स्कूलों के खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों में नए शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया मार्च में शुरू होती है। इस पृष्ठभूमि में केडीएमसी मनपा के शिक्षा विभाग ने निरीक्षण अभियान चलाया। इस अभियान से पता चला कि नगर निगम सीमा के भीतर 8 प्राथमिक विद्यालय बिना सरकारी अनुमति के चल रहे थे। इन स्कूलों को सरकार से कोई मंजूरी नहीं मिली है, इसलिए मनपा उपायुक्त संजय जाधव ने विद्यार्थियों से इन स्कूलों में प्रवेश न लेने की अपील की है।

अवैध स्कूलों की सूची -
1. एलबीएस इंग्लिश स्कूल, बालियान टिटवाला
2. सनराइज स्कूल, बालियान टिटवाला
3. संकल्प इंग्लिश स्कूल, बालियान टिटवाला
4. पूर्ण प्राज्ञ इंग्लिश स्कूल, बालियान टिटवाला
5. पोलारिस कॉन्वेंट स्कूल, बालियान टिटवाला
6. डीबीएस इंग्लिश स्कूल, अंबिवली पश्चिम
7. ऑक्सफोर्ड इंग्लिश स्कूल, अंबिवली पश्चिम
8. बौद्ध इंटरनेशनल स्कूल, महाराष्ट्र नगर, डोंबिवली पश्चिम

उल्हासनगर में ठाकरे गट का जन आक्रोश मोर्चा

■ पानी, सड़क, शौचालय को लेकर विरोध प्रदर्शन

उल्हासनगर. ठाकरे गट की ओर से शहर में पानी की कमी, सड़क निर्माण में देरी, शहर में धूल और शौचालयों की खराब स्थिति जैसी विभिन्न मांगों को लेकर मनपा मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और मनपा के सुरक्षा गार्डों के बीच नोकझोंक भी हुई।

शिवसेना (उबाठा) ने शुक्रवार को उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय पर सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया. कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन हुआ। इस अवसर पर ठाकरे गुट की ओर से उल्हासनगर मनपा मुख्यालय के बाहर यज्ञ किया गया। प्रदर्शनकारियों ने महानगरपालिका में घुसने की कोशिश की। इस दौरान उल्हासनगर महानगर पालिका के सुरक्षा गार्डों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। कुछ समय तक वहां तनावपूर्ण माहौल रहा। बाद में, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस ने प्रदर्शनकारियों के प्रतिष्ठित समूह से मुलाकात की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मनपा प्रशासन के समक्ष विभिन्न मुद्दे उठाए।

उल्हासनगर शहर में इस समय पानी की कमी है। कई स्थानों पर तो सप्ताह में केवल तीन से चार दिन ही पानी आता है। जल विभाग द्वारा किये जाने वाले रखरखाव और मरम्मत कार्य का प्रभाव एक सप्ताह के भीतर ही महसूस होने लगता है। शहर की अस्थिर जल आपूर्ति के बावजूद पानी के बिल में काफी वृद्धि की गई है। इसलिए धनंजय बोडारे ने मांग की कि इस मूल्य वृद्धि को वापस लिया जाए।

शहर में एमएमआरडी के माध्यम से महत्वपूर्ण सड़कों पर काम चल रहा है। हालाँकि, इन कार्यों में देरी हो रही है। परिणामस्वरूप, शहर के एक बड़े हिस्से की खुदाई हो चुकी है। खुदाई के कारण शहर में बहुत धूल है। नागरिक श्वसन एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। इसलिए बोडारे ने यह भी मांग की कि इन कार्यों को तत्काल पूरा किया जाए। ठाकरे गुट के कल्याण जिला अध्यक्ष धनंजय बोडारे ने आयुक्त मनीषा आव्हाले से कहा कि उन्हें खुशी है कि उल्हासनगर महानगरपालिका कम से कम प्रशासनिक मामलों में तो अव्वल आई है, जबकि शहर में सड़क, पानी, शौचालय और अन्य समस्याओं के मामले में महानगरपालिका का प्रबंधन खराब है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशासनिक शासन की तरह ही शहर के शासन में भी सुधार होगा। बोडारे ने इस तथ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि वर्तमान में नागरिक शहर से कल्याण और अंबरनाथ जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

सात वर्षों के प्रयासों के बाद भी नहीं हो पाई नाले की मरम्मत

पूर्व सैनिक अनशन पर बैठने को मजबूर

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक 76 वर्षीय पूर्व सैनिक ने अपने घर के पास एक खतरनाक नाले की मरम्मत नहीं किए जाने के विरोध में अंततः महाराष्ट्र दिवस पर आमरण अनशन पर जाने का निर्णय लिया है। उल्हासनगर कैंप 4 निवासी व पूर्व सैनिक सुभाष दिनकर पाटिल (76) ने अपने घर के पास खतरनाक व जर्जर नाले की मरम्मत की मांग को लेकर 1 मई को महाराष्ट्र दिवस पर सुबह 10 बजे से आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने आठ दिन के भीतर नाले की मरम्मत का काम शुरू नहीं किया तो वह, उनका बेटा और पूरा परिवार भूख हड़ताल पर बैठ जाएगा।

सुभाष पाटिल ने समय-समय पर मनपा और सार्वजनिक बांधकाम विभाग को ज्ञापन देकर नाले की गंभीर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया था। उनके अनुसार 2007 में बने इस नाले की हालत वर्तमान में बेहद खस्ता है, जिसके कारण 2019 में उनकी फैक्ट्री की दीवार गिर गई थी। इस हादसे में उन्हें 6 से 7 लाख रुपए का अनुमानित नुकसान हुआ था। इसके बाद इलाके में दो अन्य घरों की दीवारें भी ढह गईं। सात वर्षों से लगातार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण पाटिल को अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है की इसी कारण हमें भूख हड़ताल करने को मजबूर होना पड़ा है.

अंबरनाथ सहायक आयुक्त कार्यालय पर आंदोलन करने वाले

60 लोगों पर अपराध दर्ज

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में सहायक पुलिस आयुक्तालय के सामने अनशन पर बैठे हुए 60 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है. लोगों का जमावड़ा करके घोषणाबाजी करने वाले, आंदोलन करने वालों पर पुलिस ने अपराध दाखिल किया है. बदलापुर में डेढ़ माह पूर्व दो गुट में जबरदस्त मारपीट हुई थी. दोनों गुटों पर बदलापुर पुलिस ने अपराध दाखिल किया था. इसमें अक्षय गायकवाड़ पर हमला करके उसको घायल किया गया था. उसकी आंख पर भी चोट आई थी. अक्षय पर भी पुलिस ने अपराध दाखिल किया था. रोष में आए बहुजन समाज के लोगों ने न्याय की मांग, झूठे अपराध रद्द करने को लेकर अंबरनाथ सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय के समक्ष सड़क पर दो दिन तक आंदोलन किया था. बेकायदा तरीके से जमावड़ा करके घोषणाबाजी की गई. गाने भी गाए गए. भाषणबाजी की गई. इसलिए अनशनकारियों पर भारतीय न्याय संहिता के अनुसार कुल 60 लोगों पर अपराध दर्ज किया गया है. नियमानुसार पुलिस द्वारा अनुमति ना लेकर मोर्चा भी निकाला गया था. आदेश का भंग करने के आरोप में 45 पुरुष, 15 महिलाओं पर अपराध दर्ज किया गया है. पुलिस द्वारा ये बताया गया है कि अक्षय गायकवाड़ मामले में कई लोगों पर अपराध दाखिल किया गया है.

सिंधी हिन्दुओं को मिली अस्थायी राहत

भारत ही हमारा सच्चा घर है — विस्थापित सिंधी परिवारों की भावना

उल्हासनगर. आतंकवादियों द्वारा किए गए अमानवीय हमले के मद्देनजर केंद्र सरकार ने जहां पाकिस्तान के नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है, वहीं विस्थापन का जख्म लेकर भारत आए उल्हासनगर में सिंधी हिंदू परिवारों को विधायक कुमार आयलानी की मध्यस्थता से अस्थायी तौर पर रहने की अनुमति मिली है और इस फैसले से उनकी भारत में बसने की उम्मीद फिर से जाग उठी है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में तीर्थयात्रियों पर हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने देश में अल्पकालिक वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया था। इस पृष्ठभूमि में उल्हासनगर शहर में रहने वाले 17 पाकिस्तानी नागरिकों की पुलिस द्वारा तत्काल जांच की गई। इन 17 नागरिकों में से 7 उल्हासनगर पुलिस स्टेशन, 8 सेंट्रल पुलिस स्टेशन और 2 विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में रहते थे।

ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के साथ चर्चा करके और विधायक कुमार आयलानी के हस्तक्षेप से दीर्घकालिक वीजा के लिए आवेदन प्रस्तुत करके शर्तों के आधार पर अस्थायी राहत प्राप्त कर ली है। इनमें से अधिकांश नागरिक सिंधी हिंदू समुदाय के हैं, जो विभाजन के बाद पाकिस्तान में फंसे हुए थे। उन्होंने कहा, कुछ नागरिक 27 और 28 अप्रैल को पाकिस्तान लौट गए तथा दीर्घकालिक वीजा पर आने वालों के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई नए दिशानिर्देश नहीं हैं।

इस पृष्ठभूमि में थेरानी परिवार मुकेश थेरानी (48), पत्नी कौंशा देवी (44), बेटियों हरिप्रिया (20), राधे (16) और बेटे ऋषिकेश (13) पाकिस्तान के उथल प्रांत से उल्हासनगर पहुंचा है और उन्हें अस्थायी राहत मिली है। साथ ही, जेठा मल (48) और ऐश्वर्या देवी (45) के परिवार को भी भारत में रहने की अस्थायी अनुमति मिल गई है।

मुर्गा घुसा घर में, हुई मारपीट

■ मुर्गे के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर. पड़ोसी के घर में मुर्गा के घुसने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट हो गई. जिसके बाद मुर्गे के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जिसके घर में मुर्गा घुसा था, उनकी पिटाई कर दी गई है।

हिललाइन पुलिस स्टेशन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विलास वाघे और गुरुनाथ वाघे अंबरनाथ तालुका के खोनी गांव के पास शेलार पाड़ा में रहते हैं। इन परिवारों के घर एक दूसरे के अगल-बगल में हैं। 2 अप्रैल को सुबह करीब 9:30 बजे विलास वाघे का मुर्गा गुरुनाथ वाघे के घर में घुस गया। गुरुनाथ वाघे की पत्नी मनीषा वाघे ने मुर्गे को डराने के लिए पत्थर फेंका। मुर्गे के मालिक विलास वाघे इस बात से नाराज थे कि मुर्गे को पत्थर मारा गया था। इसलिए विलास वाघे ने मनीषा वाघे को गाली देना शुरू कर दिया। जब गुरुनाथ वाघे ने पूछा, आप मेरी पत्नी को गाली क्यों दे रहे हैं?, तो विलास वाघे को गुस्सा आ गया। इसलिए विलास वाघे ने जमीन से एक पत्थर उठाया और गुरुनाथ वाघे के सिर पर फेंका, जो उनके बाएं कान पर लगा। इसी कारण गुरुनाथ वाघे नीचे गिर पड़े। इसके बाद विलास वाघे, कैलास वाघे और कुदन वाघे ने मिलकर गुरुनाथ वाघे के साथ मारपीट की. गुरुनाथ वाघे को पिटता देख उसके साले बलराम वाघे और मनीषा वाघे वहां आ गए। इस दौरान विलास, कैलास और कुदन ने भी उसकी पिटाई कर दी। बलराम वाघे को भी सिर के बायीं ओर लकड़ी के डंडे से मारकर घायल कर दिया गया। इस घटना के बाद गुरुनाथ वाघे हिल लाइन पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत के आधार पर विलास वाघे, कैलास वाघे और कुदन वाघे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हिललाइन पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। हालाँकि, मुर्गे को लेकर हुआ यह विवाद इस समय अंबरनाथ तालुका में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ जारी

■ तीन दिनों में 9 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

उल्हासनगर. सेंट्रल, विठ्ठलवाड़ी और हिललाइन पुलिस ने पिछले 3 दिनों में 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है - मंगलवार को 4, बुधवार को 3 और गुरुवार को 2 - और संदेह है कि शहर में बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या बड़ी है।

शहर की सेंट्रल और विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने मंगलवार को कुल 4 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। बुधवार को बांग्लादेशी नागरिक जन्नतुल फिरदोस अबुल हाशिम और नसरीन अख्तर नासिर शेख को कैंप नंबर 3, फॉरवर्ड लाइन क्षेत्र में कंवरम पैलेस बिल्डिंग से गिरफ्तार किया गया और मामला दर्ज किया गया। इस बीच, विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने मराठा क्षेत्र से बांग्लादेशी नागरिक नूर मोनू पठान को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस उस व्यक्ति की तलाश कर रही है जिसने उसे यहां रहने और आने में मदद की। गुरुवार को हिललाइन पुलिस ने गणेश चाल हाजी मलंग रोड से बांग्लादेशी नागरिक अशरफ अब्दुल हसन मंडल को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया। विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने बंजारा कॉलोनी से शर्मिन अख्तर अब्दुल खलील नामक एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया।

4 माह में 45 से अधिक बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

पिछले चार महीनों में शहर के विभिन्न पुलिस थानों में 45 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किये जाने की खबरें हैं। पुलिस बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश जारी रखे हुए है और पिछले तीन दिनों में पुलिस ने 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। झुग्गी-झोपड़ियों, कारखानों, मुख्य बाजारों, भवन निर्माण स्थलों आदि पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक रहते हैं और अगर पुलिस तलाशी ले तो बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक मिलेंगे।

गर्लफ्रेंड की हत्या कर फरार आरोपी गिरफ्तार

■ कल्याण क्राइम ब्रांच की टीम ने पकड़ा
■ दुर्गाड़ी के पास से गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण क्राइम ब्रांच की एक टीम ने तिलक नगर में अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या करने के बाद फरार आरोपी को कल्याण के दुर्गाडी किले के गणेशघाट क्षेत्र से गिरफ्तार किया है. उसने क्राइम ब्रांच पुलिस के सामने युवती की हत्या की बात कबूल कर ली है। गिरफ्तार आरोपी का नाम सुभाष श्रीधर भोईर (42, सर्वोदय स्नेह इमारत, ठाकुर्ली निवासी) है। मृतक युवती के परिजनों ने मंगलवार को तिलकनगर थाने में युवती की उसके घर में हत्या किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच कल्याण अपराध शाखा पुलिस द्वारा शुरू की गई थी।

अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत शिंदे ने बताया कि आरोपी सुभाष श्रीधर भोईर तीन साल से ठाकुर्ली में युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। पिछले कुछ महीनों से वे छोटी-छोटी बातों पर झगड़ते रहे हैं। हत्या से पांच दिन पहले सुभाष और युवती के बीच गरमागरम बहस हुई थी। इसी विवाद के चलते सुभाष ने अपनी प्रेमिका की घर में ही गला घोंटकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद मामला बिगड़ने के डर से सुभाष घर से भाग गया।

जैसे ही लड़की के परिजनों को घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने मामले की सूचना तिलकनगर पुलिस थाने में दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस अपराध की जांच कल्याण अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत शिंदे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक किरण भिसे, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक दत्ताराम भोसले, कांस्टेबल विलास कड़ू, सुधीर कदम, विजय जीरे, सचिन भालेराव, प्रवीण किनरे, मिथुन राठौड़ और विजेंद्र नवसरे ने शुरू की थी।

हत्या आरोपी के बुधवार दोपहर कल्याण के दुर्गाडी किला क्षेत्र के गणेशघाट इलाके में पहुंचने की क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली. टीम ने तुरंत उस क्षेत्र में जाल बिछा दिया। जैसे ही सुभाष भोईर तय समय पर इलाके में पहुंचा, टीम ने उसे पकड़ लिया. सुभाष ने पुलिस के सामने युवती की हत्या की बात कबूल कर ली है। वरिष्ठ निरीक्षक शिंदे ने बताया कि उसकी हिरासत तिलकनगर पुलिस को सौंप दी गई है। ठाकुर्ली निवासी सुभाष भोईर की पत्नी का निधन हो गया। हत्या की शिकार नर्स अपने पति से अलग रह रही थी। युवती एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम करती थी। मृतक युवती और सुभाष की मुलाकात कोरोना महामारी के दौरान हुई थी। इसके बाद वे दोनों ठाकुर्ली इलाके में लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। सूत्रों का कहना है कि दोनों के बच्चे भी हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

गुड़िया के साथ मारी गई मासूमियत

मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख कर इजराइल जिस तरह गाजा पट्टी को निशाना बना रहा है, उसमें बड़ी संख्या में ऐसे बेकसूर नागरिक मारे जा रहे हैं, जिनका हमास से कोई लेना देना नहीं है। वे सुरक्षित जगह की तलाश में दिन-रात भटक रहे हैं। ऐसे में सबसे अधिक दुर्दशा बच्चों की हुई है। वे न तो स्कूल जा पा रहे हैं और न सुकून से सो पा रहे हैं। युद्ध से मिले आघातों से उनका जीवन बदहाल हो चुका है। कई बच्चे अनाथ हो चुके हैं। हजारों बच्चे इस समय कुपोषण के शिकार हैं। गाजा की गलियों में दम तोड़ते बच्चों को देख कर किसी की भी आंखें नम हो सकती हैं।

दीर अल-बला शहर के पास इजराइल के ताजा हमले में फिर कई बच्चे मारे गए हैं। इनमें सड़क किनारे अपनी गुड़िया के साथ खेल रही एक मासूम बच्ची भी थी, जिसकी मौत ने कई सवाल खड़े किए हैं। गौरतलब है कि गाजा पर फिर से शुरू हुए इजराइली हमले में सिर्फ पिछले एक महीने के दौरान आठ सौ नौ बच्चों की जान चली गई। मध्य गाजा के जावैदा शहर में शांति बहाल होने के साथ जब नागरिक अपनी दिनचर्या में लौट रहे थे, तब ऐसे समय में नागरिक ठिकानों पर इजराइल के हमले को न केवल अनैतिक, बल्कि युद्ध अपराध भी माना जाना चाहिए। आखिर इस तरह बेलगाम हमले का क्या औचित्य था?

यह सोचने की जरूरत है कि गेंद और गुड़िया के साथ सड़क पर खेल रही चार साल की कोई बच्ची कैसे किसी देश का दुश्मन हो सकती है? अपनी घायल बहन को लेकर अस्पताल पहुंचे भाई का यह सवाल किसी को भी कचोट सकता है कि वह क्या कर सकती थी? वह तो पत्थर भी नहीं उठा सकती थी! दरअसल, युद्ध एक ऐसा उन्माद है जिसमें हमलावर देश यह नहीं देखता कि किसकी मौत हो रही है। इजराइल और हमास के बीच करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध में बावन हजार फिलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। इस युद्ध में कितने बच्चे बचेंगे, किसी को नहीं मालूम। मगर यह तय है कि गाजा में उनकी खिलखिलाहट वर्षों सुनाई नहीं देगी। निर्दोष नागरिक और उनके बच्चे न मारे जाएं, इसकी जिम्मेदारी इजराइल पर है, लेकिन क्या वह अपनी इस भूमिका को समझ पा रहा है?

भाषा की मर्यादा भूलने वालों को सबक

पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई। न्यायालय ने राहुल गांधी से कहा कि वे उन स्वतंत्रता सेनानियों के विरुद्ध गैर-जिम्मेदाराना बयान न दें, जिन्होंने देश को आजादी दिलाई। यदि वे भविष्य में ऐसा कोई वक्तव्य देंगे तो न्यायालय स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई करेगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने सत्य से उनका साक्षात्कार कराते हुए कहा कि महात्मा गांधी भी वायसराय को लिखे पत्र में 'आपका वफादार सेवक' लिखते थे तो क्या इस आधार पर उन्हें अंग्रेजों का सेवक कहा जा सकता है या स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को कम करके आंका जा सकता है? जब उन्हें भारत के इतिहास-भूगोल के बारे में कुछ भी नहीं पता तो उन्हें ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

उसने उन्हें यह भी याद दिलाया कि स्वयं उनकी दादी इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की प्रशंसा में पत्र लिखे थे। यद्यपि राहुल गांधी इस सत्य से अपरिचित हों, ऐसा नहीं माना जा सकता। लगता है वामपंथी प्रभाव में वह अपनी दादी एवं कांग्रेस की रीति-नीति-परंपरा की उपेक्षा एवं अवमानना कर रहे हैं। कदाचित इसीलिए उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान महाराष्ट्र में वीर सावरकर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी।

स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने के कारण वीर सावरकर को आजीवन कारावास

की असहनीय यातनाएं झेलनी पड़ी थीं। अंडमान के सेलुलर जेल में कालापानी की सजा भोगते हुए उन्हें हवा-पानी, रोशनी जैसी प्रकृति प्रदत्त बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ा था। कारावास से रिहाई के बाद भी उन्हें अंगेजों द्वारा लादे गए तमाम शर्त्तों एवं कठोर पाबंदियों के साथ रत्नागिरि जिले में नजरबंद रहना पड़ा। यह अकारण नहीं है कि स्वतंत्रता-आंदोलन में भाग लेने वाले तत्कालीन बड़े नेताओं में उनका बड़ा सम्मान था।

गांधी जी और आंबेडकर उनके अस्पृश्यता उन्मूलन एवं अछूतोद्धार की नीतियों से प्रभावित थे। मदनलाल धींगरा, शचींद्रनाथ सान्याल, रौशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी जैसे अनेक देशभक्तों ने भी उनके विचारों से किसी न किसी स्तर पर प्रेरणा ग्रहण की। अपनी तार्किकता, दूरदर्शिता एवं लेखकीय सक्रियता के कारण भी सावरकर देशवासियों को प्रेरित करते हैं। इसी कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वीर सावरकर के निधन के पश्चात 26 फरवरी, 1966 को अपने शोक-संदेश में कहा था- 'विनायक दामोदर सावरकर समकालीन भारत के महान नेता थे, जिनका नाम साहस एवं देशभक्ति की प्रेरणा देता है। वह महान क्रांतिकारी के सांचे में ढले ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनसे अनगिनत लोगों ने प्रेरणा ली।'

उन्होंने 20 मई, 1980 को 'सावरकर राष्ट्रीय स्मारक' के सचिव पंडित बाखले को लिखे पत्र में कहा था कि 'वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता-आंदोलन के लिए बहुत अहम है। मैं आपको देश के विलक्षण सपूत के शताब्दी-समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं।' उन्होंने सावरकर की स्मृति एवं सम्मान में 1970 में डाक टिकट भी जारी किया, अपने निजी खाते से सावरकर ट्रस्ट को 11 हजार रुपये दान दिए तथा 1983 में सूचना प्रसारण मंत्रालय के फिल्म डिवीजन आफ इंडिया को सावरकर के जीवन पर एक डाक्यूमेंट्री फिल्म बनाने का आदेश दिया। वस्तुतः राहुल गांधी एवं आज के अन्य नेताओं को स्वतंत्रता सेनानियों और अन्य महापुरुषों पर बोलते हुए यह सोचना और समझना होगा कि ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता की लड़ाई किसी एक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि सबने एकजुट होकर लड़ी थी। जाति, भाषा, प्रांत, पंथ, संप्रदाय जैसे विभेदकारी तत्वों से परे सभी स्वतंत्रता सेनानियों ने मिल-जुलकर एक ही लक्ष्य के लिए काम किया तथा देश की स्वतंत्रता में अपने-अपने ढंग से योगदान दिया। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल में दिल्ली उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय द्वारा मानहानि से जुड़े अलग-अलग मामलों में भी दिए गए फैसले हमें बेतुके बयानों एवं बेबुनियादी आरोपों के प्रति सजग करते हैं।

खुशी इसमें है कि हम यह सोचें कि प्रभु ने हमें क्या-क्या दिया है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पहलगाम हमले पर सरकार की अग्निपरीक्षा

इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से कई मोर्चों पर ठोस कार्रवाई की घोषणाएं हुईं। लेकिन इस तरह के कड़े संदेश देने के संकेतों के बावजूद इस दिशा में कोई स्पष्टता नहीं दिख रही है। पहलगाम में आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी में छब्बीस लोगों की मौत के जैसे ब्योरे सामने आए, उससे स्वाभाविक ही समूचे देश में व्यापक स्तर पर क्षोभ और गुस्से का वातावरण बना हुआ है, लोग बेहद सदमे में हैं।

हालांकि सरकार ने तीनों सेनाध्यक्षों के साथ बैठक कर और उन्हें खुली छूट देने की बात करके सभी तरफ यह संदेश देने की कोशिश की है कि इस बार वह आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगी। मगर देश भर में लोगों की यह अपेक्षा और मांग है कि सरकार उच्चस्तरीय बैठकें करने के समांतर आतंकियों के साथ-साथ उन्हें संचालित करने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की घोषणाओं से आगे बढ़ कर बिल्कुल स्पष्ट कदम उठाती दिखे।

इस लिहाज से देखें तो सरकार आतंकियों को लक्षित करते हुए और पाकिस्तान को भी जिम्मेदार ठहराते हुए जो कार्रवाई कर रही है, उससे निश्चित रूप से एक संदेश जा रहा है, लेकिन पहलगाम हमले की प्रकृति को देखते हुए

इस मसले पर एक व्यापक स्पष्टता वक्त का तकाजा है।

यों इतने बड़े हमले के बावजूद दूतावास में कर्मचारियों की संख्या में कटौती, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा पर पाबंदी, सिंधु जल संधि के क्रियान्वयन को निलंबित करने और अब भारतीय वायुक्षेत्र से पाकिस्तानी विमानों की उड़ान पर पाबंदी जैसे कदम उठाने के बावजूद भारत ने आमतौर पर धैर्य का ही परिचय दिया है। हैरानी की बात यह है कि खुद को कठघरे में देखने के बाद पाकिस्तान अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय उल्टे सीमा पर बिना किसी वजह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन और नाहक ही छिटपुट गोलीबारी कर रहा है। यह एक तरह से भारत को उकसाने की कार्रवाई है। हालांकि इसके बाद भी भारत अभी कोई सीधी कार्रवाई करने को लेकर सावधानी बरत रहा है।

सवाल है कि आखिर पाकिस्तान को सीमा पर इस तरह की हरकत करने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है। क्या यह अपने ऊपर लगने वाले आरोपों के बाद बचाव के लिए आक्रामकता का प्रदर्शन नहीं है, ताकि दुनिया का ध्यान आतंकवाद को पालने में उसकी असली भूमिका से भटक सके? यह जगजाहिर हकीकत है कि कई आतंकवादी संगठन भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए पाकिस्तान स्थित ठिकानों का इस्तेमाल करते हैं। वहां उन्हें आतंक फैलाने की गतिविधियों के प्रशिक्षण से लेकर हथियारों और अन्य संसाधनों की सुविधा मुहैया कराई जाती है।

जब भी भारत की ओर से पाकिस्तान की इस भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं, तब पाकिस्तान बिना किसी हिचक के इससे इनकार कर देता है। जबकि कई वर्ष पहले चीन में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणा-पत्र में भी लश्करे-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के पाकिस्तानी सीमा के भीतर स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने को लेकर तमाम सवाल उठाए जा चुके हैं। मगर पाकिस्तान के रवैये में कोई फर्क नहीं आया। अब पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पर यह जिम्मेदारी है कि वह आतंकी हमलों का हिसाब लेने और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देने वाले कुछ ठोस कदम उठाए।

जहां रहते हैं कंचे सी नीली आंखों वाले लोग !

जरा हट के

आपने बॉलीवुड में नीली आंखों की तारीफ में बहुत से गाने सुने होंगे. जब भी हुस्न की तारीफ की जाती है तो नीली आंखों का नंबर अव्वल दर्जे पर आता है. इन आंखों की खूबसूरती अनायास ही लोगों को आकर्षित कर लेती है. यूं तो आंखों का ये रंग काफी दुर्लभ है और आप बहुत कम ही नीली आंखों वाले लोग देखेंगे. हालांकि दुनिया में एक गांव ऐसा भी है जहां हर किसी की आंखों का रंग नीला है.

धरती के इस कोने में सिर्फ और सिर्फ नीली आंखों वाले लोग ही रहते हैं. इनकी आंखें कांच की गोलियों की तरह चमकदार और नीली होती हैं. हालांकि इसके पीछे की वजह काफी अलग है. लोग उनकी आंखें देखकर ही डर जाते हैं! तो अब सवाल ये उठता है कि आखिर नीली आंखें होने के पीछे क्या कारण है?

देखने में खूबसूरत, लेकिन वरदान नहीं हैं ये आंखें

नीली और चमकदार आंखों वाले लोग असल में बुटॉन जनजाति के लोग हैं. ये इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत के बुटॉन आइलैंड पर रहते हैं. रिपोर्ट्स बताती हैं कि इनकी आखों का प्राकृतिक रंग ही नीला है, जो एक दुर्लभ जेनेटिक कंडीशन की वजह से इन्हें मिला है. इस कंडीशन की वजह से 42 हजार में 1 व्यक्ति की आंख नीली हो जाती है. सीधे तौर पर कहें तो ये खूबसूरत भले ही लगें लेकिन ये कोई वरदान नहीं हैं, इसकी वजह से उन्हें दिक्कतें भी होती हैं.

क्या होता है ये सिंड्रोम?

इस रेयर जेनेटिक डिसऑर्डर को वारडेनबर्ग सिंड्रोम कहा जाता है. इस सिंड्रोम की वजह से शरीर में कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं. आंखें भले ही ये सुंदर बना दे लेकिन इसकी वजह से सुनने में परेशानी, पिगमेंटेशन में कमी हो जाती है.

इतना ही नहीं कई बार एक आंख नीली और एक भूरी हो जाती है और शरीर पर सफेद दाग भी हो सकते हैं. ये सब सिंड्रोम म्यूटेशन की वजह से होता है और ये भ्रूण के विकास के दौरान ही होता है.

स्वादिष्ट आलू का झोल

खाना-खजाना

सामग्री :

- उबले हुए आलू – 4 मीडियम आकार के
- टमाटर – 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च – 1 बारीक कटी
- अदरक – 1 छोटा टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ
- जीरा – 1/2 छोटा चम्मच
- हल्दी – 1/2 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर – 1 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर – स्वादानुसार
- सेंधा नमक/सादा नमक – स्वादानुसार
- हरा धनिया – सजावट के लिए
- घी या तेल – 1 से 2 चम्मच
- पानी – जरूरत अनुसार

विधि :

सबसे पहले आलू को हाथ से मोटे-मोटे टुकड़ों में तोड़ लें। एकदम महीन नहीं करना है, ताकि झोल में अच्छे से गाढ़ापन आए।

कड़ाही में थोड़ा घी या तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालें, फिर कटी हरी मिर्च और अदरक डालकर हल्का भूनें।

अब पिसा हुआ टमाटर डालें और उसमें हल्दी, धनिया पाउडर,

लाल मिर्च और नमक मिलाएं। इसे तब तक भूनें जब तक तेल अलग न दिखने लगे।

भुने हुए मसाले में अब टूटे हुए आलू डालें और 2-3 मिनट तक अच्छे से चलाएं ताकि मसाला आलू में अच्छे से मिल जाए।

अब जरूरत अनुसार पानी डालें, जितना पतला या गाढ़ा झोल आप चाहते हैं। अच्छे से मिलाकर ढककर 7-8 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें।

जब झोल हल्का गाढ़ा हो जाए, ऊपर से हरा धनिया डालें और एक बार उबाल आने के बाद गैस बंद कर दें।

अगर आप झोल को और ज्यादा खट्टा-मीठा बनाना चाहें, तो थोड़ा सा आमचूर पाउडर या चुटकी भर चीनी डाल सकते हैं, स्वाद दोगुना हो जाएगा।

पेट की चर्बी कम करेंगी ये आदतें

- दिनभर ऑफिस चेयर में बैठे रहना और अनाप-शनाप खाना सेहत को तो नुकसान पहुंचाता ही है, साथ ही यह वजन बढ़ने की वजह भी बन जाता है। इन दिनों दुनियाभर में कई लोग मोटापे की समस्या से परेशान हैं। खासकर पेट के आसपास बढ़ती चर्बी न सिर्फ सेहत के लिहाज से हानिकारक होती है, बल्कि यह आपका कॉन्फिडेंस की खत्म करती है। बाहर लटकता पेट आपके लुक को खराब करता है और आपको कई बार शर्मिंदगी का कारण भी बनाता है।
- इतना ही नहीं बाहर झांकता पेट आपको मनचाहे कपड़े पहनने से भी रोकता है। ऐसे में जरूरी है कि समय रहते अपने लटकते पेट को कंट्रोल में किया जाए और इसके लिए लोग अक्सर जिम और डाइटिंग का सहारा लेते हैं। हालांकि, कई बार लाख कोशिश के बाद भी चर्बी टस की मस नहीं होती। साथ ही रोजाना जिम जाना या कोई प्रॉपर डाइट फॉलो करना भी आसन नहीं होता है। इसलिए आप अपने रूटीन में कुछ ऐसी आदतें शामिल कर सकते हैं, तो बिना जिम या डाइट के आपके पेट को अंदर करने में मदद करेगी।

- पेट कम करने के लिए सबसे जरूरी डाइट का ध्यान रखना है। इसके लिए ताजे फल और सब्जियां, जूस, साबुत अनाज, प्रोटीन और लो फैट डेयरी प्रोडक्ट डाइट में शामिल करें।

- हेल्दी खाने के साथ ही अनहेल्दी फूड्स जैसे प्रोसेस्ड फूड, जंक फूड और ज्यादा तला भुना खाने से परहेज करें।
- अगर आप जल्द ही अपना पेट अंदर करना चाहते हैं, तो दिनभर कुछ न कुछ खाने की आदत छोड़ दें। साथ ही तय समय पर सीमित मात्रा में खाएं।
- ध्यान रखें कि शरीर में पानी की कमी न होने दें। इसके लिए दिन में कम से कम 7 से 8 गिलास पानी जरूर पिएं। पानी शरीर हाइड्रेट रखने के साथ ही मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और भूख कंट्रोल करना है।
- अगर आप बहुत ज्यादा कसरत या वर्कआउट नहीं कर सकते हैं, तो सिर्फ हाई इंटेंसिटी वर्कआउट भी फायदेमंद होगा। इसे करने से फैट बर्न होता है और मसल्स बनते हैं।
- वजन कंट्रोल करने के लिए नींद भी बेहद जरूरी है। नींद की कमी मोटापे का कारण बन सकती है। इसलिए रोजाना कम से कम 7 घंटे की नींद जरूर लें।
- स्ट्रेस को मैनेज करें, क्योंकि तनाव भूख और क्रेविंग बढ़ाता है, जिससे आप ज्यादा खाने लगते हैं, जो मोटापे को बढ़ा सकता है।
- शराब या अल्कोहल युक्त कोई भी ड्रिंक फैट बढ़ा सकती है। इसलिए पेट को कम करने के लिए ऐसी ड्रिंक्स से परहेज करें।

आज का राशिफल

मेष : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। कुसंगति से हानि होगी। कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ : आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम का साहस कर पाएंगे।

मिथुन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे।

कर्क : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

सिंह : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या : नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे। संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला : किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक : युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

धनु : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

मकर : सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे।

कुंभ : मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। जोखिम न लें। आंखों को रोग व चोट से बचाएं।

मीन : दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

फार्ट वॉक के फायदे

दुनियाभर में लोग अपनी सेहत को लेकर काफी सजग हो चुके हैं। इसलिए खुद को हेल्दी रखने के लिए लोग कई सारी तकनीक अपनाते हैं। यूं तो लोग अक्सर फिट और हेल्दी रहने के लिए कई तरह की एक्सरसाइज और वर्कआउट करते हैं, लेकिन वॉकिंग सबसे कारगर और पॉपुलर तरीका है, खुद को हेल्दी बनाए रखने का।

बिजी शेड्यूल के बीच वॉकिंग एक ऐसा तरीका है, जो आपको कम समय और मेहनत में फिट बना सकता है। वॉकिंग करने के कई सारे फायदे होते हैं और लोग अपनी सुविधा के मुताबिक इसे करते हैं। इसी बीच इन दिनों एक खास तरह की वॉक काफी ज्यादा ट्रेंड में हैं। हम बात कर रहे हैं फार्ट वॉक की, जिसकी चर्चा इन दिनों हर जगह है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। आइए जानते हैं क्या है यह वॉक और इसके फायदे-

कैसे हुए इस ट्रेंड की शुरुआत?

कनाडा की रहने वाली 70 वर्षीय मैरलिन स्मिथ, जो लोगों को गट हेल्थ के लिए जागरूक करने का काम भी करती है, ने फार्ट वॉक की शुरुआत की। दरअसल, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि वह और उनके पति ने रोजना रात खाने के बाद टहलना शुरू किया, ताकि उन्हें गैस से राहत मिल सके और पाचन में सहायता मिल सके। जैसाकि हम ठहलते समय गैस रिलीज या फार्ट करते हैं, इसलिए हमने इसे फार्ट वॉक का नाम दिया है।

ये तो बात हुई फार्ट वॉक की शुरुआत की, अब जानते हैं इसके कुछ फायदे। मैरलिन का वीडियो वायरल होने के बाद मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर के इंटरनल मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉ. टिम टियुटन ने इस वॉक का सपोर्ट करते हुए बताया कि कैसे वॉक करने का यह तरीका सेहत के लिए फायदेमंद है।

उन्होंने बताया खाने के बाद टहलने या वॉक करने आंतों की गतिशीलता को बढ़ावा मिलता है। इससे गैस रिलीज करने और कब्ज को रोकने में मदद मिलती है। इसके अलावा इसका एक और फायदा न सिर्फ ब्लड शुगर को बढ़ने से रोकना है, बल्कि यह कैंसर के खतरे को भी कम करता है। फार्ट वॉक के फायदे बताते हुए डॉक्टर टिम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया। इसके कुछ फायदे निम्न हैं-

फार्ट वॉक गैस पास करने में मदद करती है।

- रोजाना यह वॉक करने से नियमित मल त्याग को बढ़ावा मिलता है।
- इस वॉक को करने से हमारे शरीर को इंसुलिन के प्रति संवेदनशील बनाता है।
- मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाकर वजन कम करने में मदद करता है।
- हालांकि, विशेष रूप से फार्ट वॉक पर ज्यादा शोध की जरूरत है, लेकिन बहुत सारे अध्ययनों से संकेत मिलता है कि मीडियम फिजिकल एक्टिविटीस जिसमें चलना भी शामिल है, समय से पहले मौत के खतरे को काफी हद तक कम कर सकती है।

कैसे करें असली-नकली बेसन की पहचान?

बेसन का इस्तेमाल कई व्यंजनों को बनाने के लिए किया जाता है. खासकर, कढ़ी, बेसन लड्डू, बेसन का हलवा, बेसन चीला, ढोकला, गट्टे की सब्जी आदि कई मशहूर और स्वादिष्ट पकवान बेसन से ही बनते हैं. चने दाल को पीसकर बेसन बनता है. इसमें कई तरह को पौष्टिक तत्व भी होते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं. हालांकि, आजकल मार्केट में मिलने वाली चीजों में काफी मिलावट की जाने लगी है. इसमें बेसन भी अछूता नहीं है. क्या पता आप जो बेसन खा रहे हों उसमें भी मिलावट हो. चलिए जानते हैं असली-नकली बेसन की पहचान कैसे करें.

न्यूट्रिशनिस्ट अंजली मुखर्जी के अनुसार, ज़्यादातर दुकानों में मिलने वाले बेसन में सिर्फ़ पिसा हुआ चना दाल ही नहीं होता है. इसमें अक्सर सस्ती, कम गुणवत्ता वाली सामग्री मिलाई जाती है. इसे आप अनजाने में खरीद कर खाते हैं. कमर्शियल बेसन में कई तरह की चीजों से मिलावट की जाती है.वे इस प्रकार शामिल हैं-

खेसारी दाल - कई बार बेसन में खेसारी दाल भी मिला देते हैं. ये दाल कई देशों में प्रतिबंधित है, क्योंकि इसके लगातार सेवन से तंत्रिका संबंधी विकार और पक्षाघात होने का रिस्क बढ़ जाता है.

पीले मटर और मक्के का आटा- इनका इस्तेमाल बेसन को गाढ़ा करने के लिए किया जाता है, जिससे इसका पोषण तत्व कम हो जाता है और इसकी बनावट भी बदल जाती है.

मेटानिल येलो (सिंथेटिक डाई)- ये एक जहरीला, नॉन-पर्मिटेड फूड कलर है जो लिवर, आंत और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है. कई बार मार्केट में मिलने वाले बेसन में इसकी

मिलावट होती है.

स्टार्च पाउडर – बेसन के भार को बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है, लेकिन ये ब्लड ग्लूकोज लेवल को बढ़ा देता है, जिससे आपका भोजन कम पौष्टिक हो जाता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भीषण हादसा: नेशनल हाईवे पर कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, तीन की मौत

पीलीभीत. यूपी के पीलीभीत में भीषण हादसा हो गया। बीसलपुर-पीलीभीत राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसकी वजह से एक महिला और दो पुरुषों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार शाम बरखेड़ा थाना क्षेत्र के मछवाखेड़ा गांव के पास हुई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो वर्षीय बच्चे को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। बरखेड़ा थाने के प्रभारी (एसएचओ) प्रदीप कुमार विश्नोई ने मीडिया को बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटना में शामिल कार जब्त कर ली गई है। उन्होंने कहा, औपचारिक शिकायत मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोहसिन खान पर रेप का आरोप लगाने वाली IIT कानपुर की छात्रा पर FIR

कानपुर. कानपुर जिले के रावतपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने उप्र प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) के ACP मोहसिन खान पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (कानपुर) की 27 वर्षीय शोध छात्रा के खिलाफ अदालत के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह प्राथमिकी तत्कालीन सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मोहसिन खान की पत्नी सुहैला सैफ ने दर्ज कराई है। मोहसिन खान पर शोध छात्रा ने अपने यौन शोषण का आरोप लगाया है। कल्याणपुर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अभिषेक पांडेय ने बताया कि 30 अप्रैल को मुख्य महानगर दंडाधिकारी की अदालत के आदेश के बाद रावतपुर थाने में शोध छात्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने बताया कि उपनिरीक्षक पुष्पराज सिंह को आरोपों की जांच करने का जिम्मा सौंपा गया है।

शादी के 20 साल बाद पत्नी के पुराने प्रेमी से अवैध संबंध, पति को दी धमकी- ड्रम में जमा देंगे

मेरठ. मेरठ में एक और पति को ड्रम में जमाने की धमकी मिली। हैरानी की बात है कि उसकी शादी को 20 साल हो चुके हैं और पत्नी के पुराने प्रेमी से फिर अवैध संबंध शुरू हुए। इसी का विरोध करने पर पत्नी के प्रेमी ने युवक को धमकी दी। युवक ने पत्नी के हिस्ट्रीशीटर प्रेमी से जान का खतरा जताते हुए अफसरों से सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसे धमकी मिली है कि अगर वह उनके संबंध के विरोध में आया तो सौरभ की तरफ ड्रम में जमा देंगे। एसएसपी आफिस आए पीड़ित ने बताया कि उसकी शादी 20 साल पहले हुई थी। शादी के बाद उनके यहां एक बेटा हुआ, जिसकी वह शादी कर चुके हैं और अब उनके पोता-पोती हैं। पीड़ित ने बताया कि पुराने समय से उसके यहां एक दोस्त का आना जाना था। बीच में कई साल वह उन लोगों से दूर रहा। करीब दो साल पहले अचानक उसने दोबारा घर आना शुरू कर दिया। वह उसकी गैरहाजिरी में आने लगा और पत्नी इस बात को छिपाने लगी। उन दोनों के अवैध संबंध बन गए।

पहलगाम हमले में लोकल सपोर्ट था

- फारूक अब्दुल्ला बोले- सवाल ये कि आतंकी वहां कैसे आए
- महबूबा बोलीं- ये बयान कश्मीरियों के लिए खतरा बनेगा

श्रीनगर. पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले में लोकल सपोर्ट होने की बात कही। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं समझता कि ये चीजें हो सकती है, जब तक कोई इनका साथ न दें। वो वहां से आए, किस तरह आए?' अब्दुल्ला के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कड़ी आपत्ति जताई है।

महबूबा ने X पर लिखा- फारूक अब्दुल्ला जैसे वरिष्ठ कश्मीरी नेता का ऐसा बयान देश के बाकी हिस्सों में रह रहे कश्मीरी छात्रों, व्यापारियों और मजदूरों के लिए खतरा बन सकता है।

उन्होंने कहा- इससे कुछ मीडिया चैनलों को कश्मीरियों और मुस्लिमों को बदनाम करने का मौका मिल जाएगा। दरअसल, पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी।

सिंधु जल संधि की समीक्षा हो...

फारूक अब्दुल्ला ने सिंधु जल संधि की समीक्षा की मांग भी की। उन्होंने कहा कि पानी हमारा है, तो इस्तेमाल का हक भी हमारा होना चाहिए। जम्मू में पानी की कमी पर चिनाब से जल लाने की योजना बनाई थी, लेकिन वर्ल्ड बैंक ने सहयोग नहीं किया। अब दोबारा काम शुरू होना चाहिए।

- पहलगाम हमला मानवता की हत्या

फारूक अब्दुल्ला शनिवार को पहलगाम हमले के मारे गए सैयद आदिल हुसैन शाह के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा- जिन्होंने पहलगाम हमला किया है, उन्होंने मानवता की हत्या की है। उनके लिए नरक के दरवाजे खुले हैं।

- फारूक बोले- मैंने कहा था, मौलाना अजहर को मत छोड़िए

फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले को सुरक्षा में चूक बताया। उन्होंने कहा, 'जब भारत ने मौलाना मसूद अजहर को छोड़ा (1999) था, तब मैंने कहा था, मत छोड़िए, लेकिन किसी ने मेरी बात मानी नहीं। अजहर कश्मीर को जानता है। उसने अपने रास्ते बना रखे हैं और क्या पता पहलगाम हमले में उसका हाथ भी होगा।

पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाला जवान नौकरी से बर्खास्त

भारत-पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने अपने जवान मुनीर अहमद को पाकिस्तानी महिला से अपनी शादी की बात छिपाने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। मुनीर अहमद का यह काम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया गया। जवान की आखिरी तैनाती देश के प्रमुख आंतरिक सुरक्षा बल सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में थी। भारत-पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने अपने जवान मुनीर अहमद को पाकिस्तानी महिला से अपनी शादी की बात छिपाने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त कर दिया है।

गोवा के शिरगांव में भगदड़, 7 लोगों की मौत, 50 घायल

- बिजली तार गिरने से हादसा
- एक-दूसरे पर गिरे लोग
- 20 की हालत गंभीर, PM ने जताया दुख

पणजी. गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जत्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी शनिवार सुबह आई है। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

मानसून सत्र में पेश हो सकता है जातीय जनगणना बिल

- 2026 से जनगणना, परिसीमन,
- महिला आरक्षण की कवायद शुरू होगी
- सीमाएं बदलने की छूट 31 दिसंबर तक बढ़ेगी

नई दिल्ली. देश में जनगणना, जातियों की गिनती, परिसीमन और संसद में महिला आरक्षण की कवायद एक साथ शुरू होगी, क्योंकि इनकी टाइमलाइन एक साथ आ गई हैं। जनगणना और जातीय गणना 2026 से शुरू होगी। क्योंकि 2001 में लोकसभा सीटों की संख्या 2026 तक फ्रीज की गई थी। परिसीमन की कवायद भी 2026 से होगी। क्योंकि 2021 में जनगणना समय पर होती तो परिसीमन 2031 की जनगणना के आधार पर होता। प्रशासनिक सीमाएं बदलने की छूट 31 दिसंबर 25 तक बढ़ेगी, यह पहले 1 जून 2025 थी।

वहीं, महिला आरक्षण का अधिनियम 20 सितंबर 2023 में पारित हुआ था। इसमें यह व्यवस्था की गई कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद आगामी परिसीमन और जनगणना के आंकड़ों के आधार पर महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित होंगी।

समय, जो जनगणना-परिसीमन में लगेगा

जनगणना; प्रश्नावली, सॉफ्टवेयर और तकनीकी उपकरण तैयार करने में 1-2 साल लगते हैं। इसके बाद फील्ड वर्क शुरू होता है, जो 2-3 महीने चलता है। फिर डेटा सत्यापन और प्रकाशन में 1-2 साल लगते हैं यानी 3-4 साल लगते रहे हैं। परिसीमन; आयोग गठन में 1-2 महीने लगते हैं। डेटा संग्रह व विश्लेषण में 6-12 महीने खर्च होते हैं। सार्वजनिक परामर्श में 6-12 महीने लगते हैं।

खर्च, प्रति व्यक्ति औसतन 100 रु. तक

एक अनुमान के अनुसार, जनगणना के लिए करीब 14 हजार करोड़ रु. का आवंटन किया जा सकता है। यानी प्रति भारतीय औसतन 100 रु. का खर्च आएगा। इसमें जातीय जनगणना के अलावा नेशनल पापुलेशन रजिस्टर अपडेट करने की कवायद भी शामिल है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 2019 में 8,754 करोड़ रु. मंजूर किए थे और 3,941 करोड़ रु. नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर अपडेट करने के लिए रखे गए। बता दें कि विपक्षी दलों ने 2025-26 के बजट में इस मद में सिर्फ 578 करोड़ रखने को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे।

छत्तीसगढ़ में हार्डकोर नक्सली मुठभेड़ में ढेर

- सिर पर था 8 लाख का इनाम

गरियाबंद. छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में एक हार्डकोर नक्सली मारा गया। उसके सिर पर 8 लाख रुपए का इनाम था। इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 145 नक्सली मारे जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 8 लाख रुपए का इनामी एक कट्टर नक्सली मारा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ शुक्रवार देर शाम जुगाड़ थाना क्षेत्र के मोतीपानी गांव के पास जंगल में हुई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जिला पुलिस की ई-30 इकाई की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

उन्होंने बताया कि राजधानी रायपुर से 180 किलोमीटर दूर स्थित इस इलाके में नक्सलियों की गतिविधि के बारे में सूचना मिलने के बाद यह अभियान चलाया गया था। उन्होंने बताया कि गोलीबारी बंद होने के बाद एक नक्सली का शव, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मौके से बरामद की गई। उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान डिवीजनल कमेटी के सदस्य योगेश के रूप में हुई है, जिसके उपर 8 लाख रुपए का इनाम था।

उन्होंने बताया कि इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 145 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 128 बस्तर संभाग में मारे गए, जिसमें सात जिले शामिल हैं, जबकि 17 अन्य गरियाबंद जिले में मारे गए, जो रायपुर संभाग में आता है।

लॉरेंस की धमकी से पाकिस्तानी डॉन बौखलाया

- भट्टी बोला- मूसेवाला-सिद्दीकी मर्डर के राज खोल दूंगा

इस्लामाबाद. गैंगस्टर लॉरेंस की पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी से पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी बौखला गया है। उसने कहा ₹मैं पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला और मुंबई में NCP नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के राज खोल दूंगा। अब दोस्ती खत्म। देश पर बात आएगी तो चुप नहीं बैठेंगे।₹ पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने इसका वीडियो जारी किया है, जिसमें उसने यह बात कही। उसने यह वीडियो कुछ दिन पहले लॉरेंस गैंग की धमकी देने के बाद जारी की है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद लॉरेंस ग्रुप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद की फोटो पर क्रॉस लगाया था।

इस पोस्ट में लिखा-

राम-राम सभी भाइयों को, जो ये पहलगाम कश्मीर में आतंकी हमला हुआ। बेगुनाह लोगों को बिना किसी कसूर के मारा है, इसका बदला हम जल्द ही लेंगे। इन्होंने हमारे नाजायज आदमी मारे हैं। हम इनके जायज मारेंगे। एक ही ऐसा मारेंगे पाकिस्तान में घुसकर, जो 1 लाख के बराबर होगा। तुम हाथ मिलाओगे तो हम गले लगाएंगे, अगर आंख दिखाओगे तो आंखें निकाल लेंगे और ऐसी नीच हरकत करोगे तो पाकिस्तान में घुसकर ईंट का जवाब पत्थर से देंगे।

सिंधु नदी पर डैम बनाया तो कर देंगे नष्ट

तनाव के बीच पाकिस्तान की भारत को एक और गीदड़भभकी

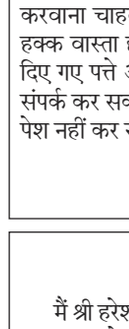

भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ता जा रहा है। भारत की ओर से कड़े ऐक्शन लिए गए हैं, जिसमें सिंधु जल संधि को रोकना भी शामिल है। इससे पाकिस्तान में जल संकट पैदा हो गया है। केंद्र सरकार की ओर से सिंधु नदी का एक भी बूंद पाकिस्तान भेजने के लिए मना किया गया है, जिससे पड़ोसी देश बौखला गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गीदड़भभकी देते हुए कहा है कि यदि भारत सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए डैम बनाता है तो उस पर पाकिस्तान हमला करके नष्ट कर देगा। एक इंटरव्यू में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने भड़काऊ बयान देते हुए कहा पाकिस्तान को दिए जाने वाले सिंधु के पानी को रोकना आक्रामकता माना जाएगा। जब मंत्री से पूछा गया कि अगर भारत सिंधु बेसिन पर डैम बनाने की तैयारी करता है तो पाकिस्तान का रिएक्शन क्या होगा, इस पर पाकिस्तानी मंत्री ने कहा, "यह पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामकता होगी। हमला सिर्फ तोपों और गोलियों से ही नहीं होता, पानी को रोकना या मोड़ना भी पाकिस्तान पर हमला ही है। उन्होंने (भारत) इस तरह का कोई प्रयास किया, तो पाकिस्तान उस स्ट्रक्चर को नष्ट कर देगा।₹ '

संजौली मस्जिद को गिराने के आदेश

- वक्फ बोर्ड जमीन के कागज नहीं दे पाया
- कमेटी के पास NOC भी नहीं; शिमला निगम ने अवैध बताया

हिमाचल प्रदेश में विवादित संजौली मस्जिद को शिमला नगर निगम आयुक्त ने पूरी तरह तोड़ने के आदेश दे दिए हैं। शनिवार को निगम आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने मस्जिद को गैर कानूनी बताते हुए निचली 2 मंजिलें भी हटाने को कह दिया है।

यह फैसला तब आया है जब वक्फ बोर्ड निगम की अदालत में मस्जिद की जमीन पर मालिकाना हक के कागज ही पेश नहीं कर पाया। यही नहीं, मस्जिद का नक्शा और किसी भी तरह की NOC भी मस्जिद कमेटी के पास नहीं है। जबकि, वक्फ बोर्ड लंबे समय तक जमीन पर मालिकाना हक का दावा करता रहा।

अब मुस्लिम पक्ष का कहना है कि ऑर्डर को पूरी तरह पढ़ने और समझने के बाद ही आगे की रणनीति बनाई जाएगी। मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ का कहना है कि अभी आदेश की कॉपी उनके पास नहीं पहुंची है। मस्जिद के ऊपर की 3 मंजिलों को तोड़ने के आदेश निगम आयुक्त बीते साल 5 अक्टूबर को दे चुके हैं। इसके बाद से ही मस्जिद को तोड़ने का काम चल रहा था।

श्रीसंथ को KCA ने 3 साल के लिए बैन किया

- पूर्व गेंदबाज ने कहा था- केरल बोर्ड के कारण सैमसन चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेल सके

टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंथ को केरल क्रिकेट एसोसिएशन (KCA) ने 3 साल के लिए क्रिकेट की सभी गतिविधियों से बैन कर दिया है। वे अब राज्य में बतौर प्लेयर या कोच क्रिकेट से जुड़ी किसी भी टूर्नामेंट या मैच का हिस्सा नहीं बन सकेंगे। KCA ने कहा, श्रीसंथ ने पिछले दिनों एक टीवी डिबेट में कहा था कि संजू सैमसन के टीम इंडिया में सिलेक्ट नहीं होने की बड़ी वजह केरल बोर्ड है। उन्हीं की वजह से सैमसन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के स्क्वॉड का हिस्सा नहीं बन सके थे। श्रीसंथ के सैमसन को लेकर बयान के बाद KCA ने 30 अप्रैल को जनरल मीटिंग में पूर्व गेंदबाज पर बैन लगा दिया। बोर्ड ने इस मामले में श्रीसंथ समेत कई और लोगों को नोटिस भी भेजा। लोगों में संजू के पिता विश्वनाथ सैमसन भी शामिल रहे। KCA अब सैमसन के पिता को कानूनी नोटिस भेजने पर भी विचार कर रहा है। संजू को चैंपियंस ट्रॉफी के स्क्वॉड में जगह नहीं मिलने के बाद उन्होंने भी कुछ हद तक बोर्ड को ही दोषी ठहराया था। हालांकि, श्रीसंथ ने पूरी तरह KCA को ही दोषी माना।

केरल क्रिकेट लीग में टीम मालिक हैं श्रीसंथ

श्रीसंथ केरल क्रिकेट लीग की टीम कोल्लम ऐरीज के सह-मालिक हैं। KCA के अधिकारी विनोद कुमार ने कहा, 'टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अब 3 साल के लिए राज्य में किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि का हिस्सा नहीं बन सकेंगे। वे फ्रेंचाइजी के मालिक बने रहेंगे, लेकिन क्रिकेट से जुड़ी गतिविधि से दूर रहेंगे। टीवी डिबेट में श्रीसंथ का जवाब गलत थ। उन्होंने संजू के टीम इंडिया से बाहर होने की बड़ी वजह KCA को बताया। हमने श्रीसंथ समेत कुछ लोगों को नोटिस भेजा है। हम पर यह भी इलजाम लगे थे कि हमने करुण नायर को केरल से खेलने की परमिशन नहीं दी। ये आरोप गलत थे, क्योंकि करुण हमेशा से कर्नाटक के लिए ही खेले, उन्होंने जूनियर लेवल पर भी केरल से क्रिकेट नहीं खेला। इसलिए उनका केरल से घरेलू क्रिकेट खेलने का सवाल ही नहीं उठता।'

कर्नाटक में बजरंग दल नेता मर्डर केस में 8 गिरफ्तार

- मंगलुरु में 6 मई तक कर्फ्यू
- सरकार एंटी कम्युनल टास्क फोर्स बनाएगी
- सांप्रदायिक घटनाएं रोकी जाएंगी

मंगलुरु. कर्नाटक में बजरंग दल नेता और 2022 के फाजिल हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुहास शेट्टी की हत्या मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें अब्दुल सफवान, नियाज, मोहम्मद मुजम्मिल, खालंदर शफी, आदिल मेहरूफ, नागराज, रंजीत और रिजवान शामिल हैं। भाजपा ने मामले की जांच NIA को सौंपने की मांग की है। मंगलुरु में 1 मई को सुहास शेट्टी की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही इलाके में तनाव का मौहाल है। इसी वजह से शहर में 6 मई तक कर्फ्यू लगा दिया गया है।

उधर, कर्नाटक सरकार ने बढ़ती साम्प्रदायिक घटनाओं पर रोक लगाने के लिए 'एंटी-कम्यूनल टास्क फोर्स' बनाने का फैसला किया है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि यह खास तौर पर दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले में काम करेगी। यह फोर्स भड़काऊ बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

परमेश्वर ने कहा;- सांप्रदायिकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे, चाहे वो कितने भी बड़े या राजनीतिक लोग क्यों न हों।

भाजपा बोली- कर्नाटक में कानून व्यवस्था फेल

भाजपा विधायक भरत शेट्टी ने सुहास शेट्टी की हत्या पर कहा- कर्नाटक में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुकी है। सरकार ने असामाजिक और जिहादी ताकतों को बढ़ावा दिया है। इसी वजह से कुछ असामाजिक तत्व इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस का ध्यान कानून व्यवस्था संभालने के बजाय तबादलों और निलंबनों में लगा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को भाजपा कार्यकर्ताओं को जेल में डालने में ज्यादा दिलचस्पी है। सुहास का मारा जाना उनके परिवार और पूरे हिंदू समाज के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।

हिंदू छात्राओं से रेप के आरोपी फरहान का शॉर्ट एनकाउंटर

- पिस्टल छीनने की कोशिश
- मंत्री बोले- पैर पर क्यों गोली मारी, छाती पर मारनी थी

भोपाल. भोपाल में हिंदू छात्राओं से गैंगरेप के मुख्य आरोपी फरहान को गोली लगी है। बताया जा रहा है कि उसने सब इंस्पेक्टर से पिस्टल छीनने की कोशिश की। इस बीच छीनाझपटी में गोली चल गई, जो फरहान के पैर में लगी है।

आरोपी फरहान को घायल हालत में हमीदिया अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फरहान पर अब हत्या के प्रयास का केस भी दर्ज किया गया है। इस मामले में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि ऐसे अपराधियों को पैर पर नहीं, छाती पर गोली मारनी चाहिए थी। लव जिहाद प्रदेश में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे आरोपियों को सरे राह गोली मारिए।

बता दें, शुक्रवार को भोपाल की अशोका गार्डन थाना पुलिस को फरहान की रिमांड मिली है। रिमांड के दौरान पुलिसकर्मी उसे थाने से उसकी निशानदेही पर एक अन्य आरोपी की तस्दीक के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान फरहान ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनने का प्रयास किया।

पेशाब करने का कहकर गाड़ी रुकवाई

ये घटनाक्रम शुक्रवार रात करीब 11 बजे से 11:30 बजे के बीच का है। अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपी फरहान ने पुलिस को गुमराह करने के लिए बताया था कि मामले में एक और फरार आरोपी अबरार बिलकिसगंज जिला सीहोर में छिपा है। इसके बाद SI विजय बामने के साथ कुल पांच पुलिसकर्मी फरहान के साथ वाहन में सवार होकर तस्दीक के लिए रवाना हुए थे। इसी बीच रातीबड़ थाना क्षेत्र में आने वाले सरवर गांव के पास आरोपी फरहान ने पेशाब करने का कहकर वाहन रुकवाया। वाहन के रुकने पर फरहान के साथ SI भी नीचे उतरे। तभी फरहान ने SI की सर्विस रिवॉल्वर को छीनने का प्रयास किया। छीना झपटी में गोली चली और आरोपी के पांव में लग गई।

आम सूचना

मैं श्रीमती कावेरी महादेव इंगले सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, कमला नेहरु नगर, शिवनेरी नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 03एओ014105000) उक्त प्रॉपर्टी श्री महादेव निंबाजी इंगले नाम पर है। उनसे गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 2.5.2025 सी.नं. 1823/2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कावेरी महादेव इंगले

आम सूचना

मैं श्री असगर अब्बास अली हश्मी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, रामकृष्ण करोतिया नगर, सी ब्लाक रोड, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 10एओ004198000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती यासमीन खातून निसार इद्रीसी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 2.5.2025 सी.नं. 1818/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री असगर अब्बास अली हश्मी

आम सूचना

मैं श्री हरेश अर्जनदास जेसवानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, कला हाल के पास, खेमानी, बैरक नं. 631/90 के पास, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीआय017426200) उक्त प्रॉपर्टी श्री राम अयप्पन नायर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.8.2022 सी.नं. 3902/22 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहत हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री हरेश अर्जनदास जेसवानी

आम सूचना

मैं मिस जानकी शिवदास जेठानी सभी को सूचित कर रही हूं कि मेरी जायदाद बैरक नं. 983, रुम नं. 7 व 8, स्टेशन रोड, कंवराम चौक के पास, उल्हासनगर-3. उक्त जायदाद मैंने अपने मां श्रीमती सुगनीबाई शिवनदास जेठानी से ली है। महाराष्ट्र शासन के प्रापर्टी कार्ड नं. 1531 में श्रीमती सुगनीबाई शिवनदास जेठानी की जगह श्रीमती सुगनीबाई शिवनमल तेजवानी लिखा हुआ है। इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित कर रहे हैं कि उपरोक्त दोनों व्यक्ति एक ही हैं। अगर इस विषय में किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह का ऐतराज हो तो वो सारे सबूतों के साथ उपरोक्त दिए गए पत्ते पर संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस जानकी शिवदास जेठानी

संक्षेप...

17वीं मंजिल से कूद कर महिला ने की आत्महत्या

कल्याण. शहर के योगी धाम परिसर की ईमारत की 17वीं मंजिल से छलांग लगाकर एक महिला के आत्महत्या करने की खबर में प्रकाश में आयी है.घटना की सूचना मिलने पर खडकपाड़ा पुलिस मौके पर पहुंच गयी. खबर लिखने तक महिला की पहचान नहीं हो पायी थी.

बताया गया कि ईमारत की 17 वीं मंजल से एक महिला गिरी एवं घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी.इसकी सूचना तत्काल खडकपाड़ा पुलिस को दी गयी.पुलिस लाश को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. आत्महत्या का कारण नहीं मालुम हो सका है.पुलिस अलग -अलग पहलुओं से जांच कर रही है.

मुंबई में बुलेट ट्रेन का काम तेजी पर

- शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया काम का निरीक्षण

मुंबई. देश की मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में बुलेट ट्रेन का काम का निरीक्षण किया। वैष्णव मुंबई में बुलेट ट्रेन के एकमात्र स्टेशन के काम की प्रगति को देखने के लिए पहुंचे। वैष्णव वेव्स समिट में मुंबई में थे। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन, मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। यह पर लोग जमीन की सतह से करीब 26 मीटर की गहराई में जाकर बुलेट ट्रेन पर सवार होंगे।

बुलेट ट्रेन का बीकेसी स्टेशन काफी ज्यादा गहरा है। ज़मीन से इसकी कुल 26 मीटर होगी। इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी। इस काम कार्य के लिए ज़मीन से 32 मीटर (लगभग 100 फीट) की गहराई तक खुदाई की जा रही है, जो 10 मंजिला इमारत के बराबर है। स्टेशन पर 6 प्लेटफार्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफार्म की लंबाई लगभग 415 मीटर होगी (जो 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन के लिए पर्याप्त है)। स्टेशन मेट्रो और सड़क मार्ग से जुड़ा होगा।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना सिर्फ शहरों को नहीं जोड़ेगी बल्कि 5-6 शहर मिलकर एक सिंगल इकोनॉमिक ज़ोन बन जाएंगे। बुलेन ट्रेन से बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे 5-6 शहर मिलकर एक सिंगल इकोनॉमिक ज़ोन बन जाता है। बुलेट ट्रेन भारत में बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। अभी सबसे तेज ट्रेनों से मुंबई से अहमदाबाद जाने में छह से सात घंटे का समय लगता है। बुलेट ट्रेन ट्रेन 506 किलोमीटर की दूरी को दो घंटे सात मिनट में पूरा करेगी।

कितना बन गया मुंबई का स्टेशन?

दो प्रवेश/निकास बिंदुओं की योजना बनाई गई है, एक मेट्रो लाइन 2बी के नजदीकी मेट्रो स्टेशन तक पहुंच की सुविधा के लिए और दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर। स्टेशन की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि यात्रियों की आवाजाही और सुविधाओं के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो। प्राकृतिक रौशनी के लिए रोशनदान का प्रावधान किया गया है। मुंबई में बुलेट ट्रेन के इकलौते स्टेशन की खुदाई का लगभग 76 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इस साइट से कुल 1872263 घन मीटर मिट्टी की खुदाई की जानी है। बुलेट ट्रेन का अगले साल के आखिर में ट्रायल प्रस्तावित है, जबकि पूरी परियोजना का काम खत्म 2028 में होगा। ट्रायल रन के लिए सूरत में 50 किलोमीटर के कॉरिडोर काम तेजी पूरा किया जा रहा है।

भिवंडी में शिक्षक और मुख्याध्यापक रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने भिवंडी के ईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के दो लोकसेवकों को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान शहाजान मोहम्मदअली मौलाना (54 वर्ष), जो कि शिक्षक (वर्ग-3) हैं। जियाउर रहमान मजहरुल्हक अंसारी (52 वर्ष) मुख्याध्यापक (वर्ग-2) हैं, के रूप में पहचान हुई है। एसीबी ठाणे को 19 मार्च 2025 को एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि डुप्लीकेट सर्विस बुक तैयार करने और उस पर वेतन आयोग के अनुसार प्रविष्टियाँ व मुहरें लगवाने के एवज में शहाजान मोहम्मदअली मौलाना और जियाउर रहमान मजहरुल्हक अंसारी 50,000 से 60,000 की रिश्वत मांग रहे हैं।शिकायत की पुष्टि के लिए 20 और 21 मार्च 2025 को एसीबी द्वारा एक सत्यापन कार्रवाई की गई। इस दौरान यह पाया गया कि शिक्षक शहाजान मोहम्मदअली मौलाना ने 50,000 की रिश्वत की मांग की थी और उसे स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए थे। जिसमें मुख्याध्यापक जियाउर रहमान मजहरुल्हक अंसारी ने भी उनका समर्थन किया और शिकायतकर्ता को रिश्वत देने के लिए प्रोत्साहित किया।इसके बाद 1 मई 2025 को एसीबी ने एक जाल बिछाया, जिसके दौरान शिक्षक शहाजान मोहम्मदअली मौलाना को शिकायतकर्ता से 60,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। मुख्याध्यापक जियाउर रहमान मजहरुल्हक अंसारी को भी हिरासत में ले लिया गया है। दोनों लोकसेवकों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक अनुपमा खरे के नेतृत्व में एसीबी ठाणे की टीम द्वारा की गई, जिसमें पोनिरी राजश्री शिंदे, मपोहवा रुपाली देसाई, पोना बाळू कडव, पोना पद्माकर पारधी और पोना विनोद जाधव शामिल थे। इस अभियान का मार्गदर्शन पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटिल, अपर पुलिस अधीक्षक संजय गोवीलकर और अपर पुलिस अधीक्षक सुहास शिंदे ने किया।

ड्राइविंग लाइसेंस सेवा अब व्हाट्सएप पर उपलब्ध

- ठाणे RTO कार्यालय की अनोखी पहल
- डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से नागरिक घर बैठे लाइसेंस सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे

ठाणे. सरकारी कार्यालयों में ठाणेकरों की परेशानी को कम करने के उद्देश्य से ठाणे आरटीओ कार्यालय ने अत्याधुनिक सरल और संपर्क रहित सेवा शुरू की है। आर.टी.ओ. ठाणे संवाद नामक एक व्हाट्सएप चैटबॉट अब 8369532705 नंबर पर उपलब्ध है और इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से ड्राइवर अपने घर बैठे ही लाइसेंस नवीनीकरण पता परिवर्तन आदि जैसी चुनिंदा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।सरकारी काम का जिक्र आते ही कई लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। स्थिति एक काम से अधिक कष्टकारी थी। हालाँकि ठाणे आरटीओ कार्यालय ने इसे समाप्त करने का प्रयास किया है।राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। एक नई सेवा सामने आई है जो यह प्रदर्शित करती है कि कार्यालय अब डिजिटल युग के साथ मिलकर काम कर रहा है।आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में बनाई गई इस नई चैटबॉट सेवा के माध्यम से नागरिक संपर्क रहित ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सेवाएं आसानी से और शीघ्रता से प्राप्त कर सकेंगे।इस तकनीक को सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से विकसित किया गया है।उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि इस सुविधा से लाइसेंस सेवा कार्यालय जाए बिना मोबाइल फोन से ही पूरी की जा सकेगी।यह सेवा फिलहाल 2021 के बाद जारी किए गए लाइसेंस धारकों के लिए उपलब्ध है। कुछ ही दिनों में यह सुविधा अन्य सभी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों के लिए भी खुल जाएगी। प्रारंभिक ड्राइवर लाइसेंस नवीनीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस में पता परिवर्तन की सेवाएं उपलब्ध हैं। इस पहल के अंतर्गत शीघ्र ही 6 और सेवाएं शामिल की जाएंगी। कार्यालय ने अपील की है कि, डुप्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस में नाम परिवर्तन, परिवहन लाइसेंस की मंजूरी, कंडक्टर लाइसेंस नवीनीकरण जैसी सभी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील

नागरिकों को इस चैटबॉट के माध्यम से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। इस व्हाट्सएप चैटबॉट सेवा का उपयोग केवल उस मोबाइल नंबर पर किया जा सकता है जो पहले से ही चालक के परिवहन विभाग के रिकॉर्ड में पंजीकृत है। इसलिए अपना मोबाइल नंबर अपडेट रखना जरूरी है। इस नई पहल से ठाणे के ड्राइवरों को कार्यालय की भीड़ से बचने, समय बचाने और प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। यह सेवा 24x7 उपलब्ध रहेगी। इसलिए किसी भी समय सूचना और सेवाओं तक पहुंच संभव होगी।

– **हेमांगिनी पाटिल** मुख्य आरटीओ अधिकारी ठाणे

महात्मा फुले मंडई में सात मसाला मिलों को सील किया

ठाणे. महात्मा फुले मंडई स्थित मसाला बाजार में सात मसाला मिलों को ठाणे मनपा सील कर दिया। स्थानीय नागरिकों और बाजार के लोगों ने शिकायत की थी कि इन मिलों में लगी बड़ी-बड़ी मशीनों के कारण बहुत अधिक ध्वनि प्रदूषण था।स्थानीय लोगों की शिकायतों पर संज्ञान में लेते हुए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने अधिकारियों को निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।मनपा उपायुक्त शंकर पटोले, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, सहायक आयुक्त राजेश सोनवने व नौपाडा प्रभाग के सहायक आयुक्त सोपान भाईक ने इन मसाला मिलों का निरीक्षण किया। इन मिलों में बड़ी मशीनें होती हैं, इसलिए इन्हें बाजारों के बजाय औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित किया जाना चाहिए।यह मशीनें बहुत अधिक ध्वनि प्रदूषण पैदा कर रही थीं। यहां लगभग 100 डेसिबल तक का शोर स्तर दर्ज किया गया।इन लोगों को मार्च में ध्वनि प्रदूषण के संबंध में नोटिस जारी किया गया था इसके बावजूद भी मिलें चलती रहीं। उपायुक्त शंकर पटोले ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण का पालन नहीं करने के कारण इन्हें सील कर दिया गया।

बस से बाइक की टक्कर होने पर बायां हाथ कटा

मुंबई. मुंबई में एक चौंकाने वाली घटना में, बृहन्मुंबई नगर निगम द्वारा संचालित एक बस से बाइक की टक्कर होने पर 35 वर्षीय एक व्यक्ति का बायां हाथ कट गया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे नेल्को सिग्नल के पास हुई। पीड़ित की पहचान इस्माइल सूरतवाला के रूप में हुई है, जो अपने दोपहिया वाहन पर यात्रा कर रहा था।

आम सूचना

मैं श्रीमती मीना राजू बालानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 104, पहला माला, गणेश अपार्टमेंट, गांधी रोड, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 53डीआय013109700) उक्त प्रॉपर्टी पलक विकी सेवलानी उर्फ ज्योति राजू बालानी, श्री अरुण राजू बालानी, श्रीमती भूमिका राकेश रामचंदानी व श्रीमती अनमोल गिरीश जयसिंघानी अल्यास कंचन राजू बालानी के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 28.4.2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मीना राजू बालानी

आम सूचना

मैं श्रीमती मनिषा ललू असुदा सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, वीर तानाजी नगर, बैरक नं. 1864 के सामने, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 51डीओ011105000) उक्त प्रॉपर्टी श्री संतोष सिंह सुंदर सिंह लबाना के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.4.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मनिषा ललू असुदा

आम सूचना

मैं श्री सिद्धार्थ सत्यवान जगताप सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 1, ग्राऊंड फ्लोर, श्रीजी अपार्टमेंट, ब्लॉक नं. ए-521, रुम नं. 1042, उल्हास स्टेशन के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ009160800) उक्त प्रॉपर्टी श्री ओमप्रकाश एम. वर्मा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.4.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सिद्धार्थ सत्यवान जगताप

विधायक केलकर के जनता दरबार में श्रमिकों को बर्तन किट का वितरण

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. विधायक संजय केलकर के जन संवाद में नागरिकों को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।शुक्रवार को सैकड़ों नागरिक इस पहल के तहत भाजपा खोपट कार्यालय में केलकर से मुलाकात हुई। इस बार विभिन्न शिकायतों के 68 आवेदन प्राप्त हुए। मनपा से संबंधित विभिन्न मुद्दों,चरई परिसर में बांग्लादेशी फेरीवालों, स्टॉल, ठेले, पानी के मुद्दे, राशन कार्यालय के मुद्दे, ठाणे नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले मुद्दे, विभिन्न अतिक्रमण, अनधिकृत निर्माण, नौकरी पाने, अस्पताल के मुद्दे, घरों के संबंध में डेवलपर्स द्वारा की गई धोखाधड़ी, ठाणे स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों के वेतन के मुद्दे, कर के मुद्दे, स्कूल में प्रवेश के मुद्दे, व्यवसायों के लिए जगह का प्रावधान आदि पर आवेदन विधायक केलकर को दी।इस अवसर पर खोपट कार्यालय में ठाणे परिवहन सदस्य विकास पाटिल, पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, पूर्व नगरसेवक नारायण पवार, भरत चव्हाण, सुनेश जोशी, सुरेश कांबले, ओंकार चव्हाण, दीपक जाधव, महेश कदम, सचिन शिंगारे, अलकेश कदम उपस्थित थे। अब तक सैकड़ों नागरिकों को न्याय मिल चुका है। इस पहल में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी लोग भाग ले रहे हैं। इस पहल पर आने वाले शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही मेरा लक्ष्य है यह बात केलकर ने कहा। अटल निर्माण एवं घरेलू संगठन महाराष्ट्र राज्य के माध्यम से सचिन शिंगारे के प्रयास से श्रमिकों को घरेलू बर्तन और सुरक्षात्मक किट वितरित किए गए।

मेडिकल कॉलेज के छात्रों को मिला मेरिट में स्थान

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे। मनपा के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने महाराष्ट्र स्वास्थ्य विश्वविद्यालय से पैथोलॉजी के लिए राज्य की मेरिट सूची में पहले तीन स्थान हासिल किए हैं।प्रथम स्थान डॉ. अश्विनी जेनिशा, द्वितीय स्थान डॉ. पूजा कटरे और तीसरा स्थान डॉ. सायाली लखोटे को मिला।मनपा आयुक्त सौरभ राव के हाथों तीनों छात्रों को सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, नासिक से संबद्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में ठाणे मनपा के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज और छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से शुरू किया गया है।अस्पताल के डीन डॉ.राकेश बरोट ने बताया कि इस पाठ्यक्रम के दूसरे बैच में एनाटॉमी एवं कम्युनिटी मेडिसिन विषय में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा में महाविद्यालय के कुल छह विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल की। इनमें कॉलेज के पांच विद्यार्थियों ने एनाटॉमी विषय में राज्य की मेरिट सूची में शीर्ष 11 विद्यार्थियों में स्थान प्राप्त किया।मेरिट सूची में शीर्ष तीन स्थान पर डॉ. अश्विनी जेनिशा, डॉ. पूजा कटरे और डॉ. छात्रा सायाली लखोटे को मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मेडल और शॉल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, उपायुक्त उमेश बिरारी, डीन डॉ. राकेश बारोट, चिकित्सा अधिकारी डॉ. चेतना नितिल, कुलपति (यूजी) डॉ. स्वप्नाली कदम और कुलपति (पीजी) डॉ. मिलिंद उबाले, डॉ. दिनेश समील, डॉ. शिवकुमार कोरी उपस्थित थे। सामाजिक चिकित्सा विषय के लिए मेरिट सूची में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली डॉ. जयलक्ष्मी नायर को डॉ. दिनेश समेल ने सम्मानित किया।

भिवंडी में अपार श्रद्धा से मनाया गया भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. फेनापाडा स्थित मोनालिसा मैरेज लान में राष्ट्रीय परशुराम सेना व सकल ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान श्री परशुराम जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया.ब्राह्मण समाज के कुशल वक्ताओं द्वारा भगवान श्री परशुराम एवं ब्राह्मण समाज शूरवीरों के जीवनी पर प्रकाश डाला गया. समारोह मे आए ब्राह्मण समाज की हस्तियों को भगवान श्री परशुराम की तस्वीर व रामनामी गमछा, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया.भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव में, मुख्य अतिथि श्याम बिहारी मिश्रा, एड प्रवीण मिश्रा, एड.आर आर त्रिपाठी, संयोजक राजेश पांडे, कपिलदेव मिश्रा,संजय दूबे सहित भारी संख्या में ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए.

गौरतलब हो कि, राष्ट्रीय परशुराम सेना महाराष्ट्र व सकल ब्राम्हण समाज अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरूआत की गयी. भगवान श्री परशुराम की पूजा, अर्चना,आरती व

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू किया गया. भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार, भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव बड़े पैमाने पर मनाया गया. पहलगांव में हुऐ आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई. कार्यक्रम के संबोधन में राष्ट्रीय परशुराम सेना महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव व सकल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला ने बताया कि, वे अपने जनसंपर्क कार्यालय पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाते आ रहे थे. विगत दिनों ब्राह्मण समाज के ऊपर फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर पूरे भारत ही नहीं, विश्व में ब्राह्मणों ने विरोध प्रदर्शन किया.उक्त मुद्दे को गंभीरता से चिंतन कर समाज के शीर्ष लोगों से परामर्श के उपरांत भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बड़े पैमाने पर मनाने का विचार व्यक्त किया.एड. प्रवीण मिश्रा की तरफ से ब्राह्मण समाज के प्रति देश में हो रहे दुर्व्यवहार को देखते हुए भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर सभी ब्राह्मणों को एकजुट होने की अपील की गई थी. भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव में काल्हेर, कशेली, कोनगांव, शेलार व भिवंडी शहर के विभिन्न जगहों से भारी तादात में महिलाएं व पुरुष शामिल हुए.राष्ट्रीय परशुराम सेना महाराष्ट्र व सकल ब्राम्हण समाज अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला द्वारा मुख्य अतिथियों व तमाम गणमान्य ब्राहमणों को भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा भेंट कर स्वागत, सत्कार किया गया.

संदीप के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं दीपिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस संदीप वांगा रेड्डी की फिल्म स्पिरिट में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की एंट्री हो चुकी है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण अपने कल्कि 2898 एडी के को-स्टार प्रभास के साथ नजर आएंगी। संदीप वांगा की फिल्म स्पिरिट की शूटिंग पहले पिछले साल के आखिर में शुरू करने वाले थे। तब दीपिका ने प्रेग्नेंसी की वजह से फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था। हालांकि, जब फिल्म में देरी हुई तो दीपिका ने फिल्म का ऑफर अपना लिया।

दीपिका ने पहले रिजेक्ट कर दी थी फिल्म

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, स्पिरिट की शूटिंग पिछले साल 2024 के अंत में शुरू होने वाली थी इसलिए दीपिका ने ऑफर ठुकरा दिया था, उस वक्त उनकी प्रेग्नेंसी की वजह से डेट्स मैच नहीं हो पा रही थीं इसलिए दीपिका ने फिल्म रिजेक्ट कर दी थी। हालांकि, शेड्यूल में देरी की वजह से, वांगा शूटिंग की बदली हुई टाइमलाइन के साथ वापस से दीपिका के पास गए, और एक्ट्रेस अब संदीप वांगा की फिल्म में काम करने के लिए राजी हो गई हैं।

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने मीडिया पोर्टल को बताया कि दीपिका फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। दीपिका स्क्रिप्ट और अपने किरदार की बारीकियों से हैरान थीं। उन्हें अपना किरदार पसंद आया है और वो संदीप वांगा के साथ पहली बार काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। स्पिरिट की शूटिंग अक्टूबर में 2025 में शुरू हो सकती है और साल 2027 के शुरुआती महीनों में रिलीज हो सकती है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099